पी.सी.सी. प्रमुख डोटासरा व कांग्रेस विधायकों के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हुए

कोटा में नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए इस प्रदर्शन को उग्र हिंसक मानते हुए पुलिस ने केस दर्ज किए

कोटा, 25 जून (निसं)। कोटा में हुए कांग्रेस के प्रदर्शन को उग्र मानते हुए पुलिस ने दो मुकदमे दर्ज किए हैं। इसमें एक मुकदमे में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस विधायकों को आरोपी बनाया गया है जबकि दूसरे मुकदमे में पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल व कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया गया है।

प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर सोमवार को कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सर्किट हाउस और कोटा कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन नैशनल टैस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नीट यूजी परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर था। प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने कलैक्ट्रेट चौराहे पर पुलिस की लगाई बैरिकेडिंग हटाकर कलैक्ट्रेट में घुसने की कोशिश की थी। इस मामले को लेकर पुलिस और कांग्रेसियों के बीच काफी देर तक बहस और धक्का मुक्की भी हुई। पुलिस ने बाद में वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। इसके बावजूद कांग्रेस नेता बैरिकेडिंग के सामने जमे रहे तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। अब पुलिस ने इस प्रदर्शन के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए हैं। इसमें एक मुकदमे में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस विधायकों को आरोपी बनाया है। जबकि दूसरे मुकदमे में पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल व कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया है।

- **पहला केस नयापुरा थाने के थानाधिकारी लक्ष्मीचंद वर्मा ने दर्ज कराया, जिसमें डोटासरा, टीकाराम जूली, विधायक अशोक चांदना, चेतन पटेल व सी.एल. प्रेमी तथा कोटा देहात के कांग्रेस अध्यक्ष भानू प्रताप सिंह को आरोपी बनाया गया है।**
- **दूसरा केस हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने प्रहलाद गुंजल व उनके समर्थक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज कराया है, जिसमें मारपीट का आरोप भी लगाया गया है।**

कोटा शहर की पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराई गई थी। इसमें कांग्रेस नेताओं के उग्र प्रदर्शन के कारण पुलिस से टकराव की स्थिति भी बन गई थी। इसलिए पुलिस अधिकारी व कर्मी की शिकायत पर ही कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए हैं। नयापुरा थाना पुलिस ने दर्ज मुकदमे में पी.सी.सी. अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मंत्री व विधायक (हिंडोली) अशोक चांदना, पीपल्दा विधायक चेतन पटेल कोलाना, केशोरायपाटन विधायक सी.एल. प्रेमी और कोटा देहात जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह आरोपी हैं।

इस मामले में नयापुरा थाना पर रिपोर्ट दर्ज हुई है इसमें बताया कि कांग्रेस की रैली में 2000 लोग थे, जिन्हें हिंडोली विधायक अशोक चांदना ने उत्तेजित किया। इसके बाद यह लोग कलैक्ट्रेट पहुंच गए। जहां पर पुलिस ने इन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन यह नहीं माने। इस मामले में पुलिस से धक्का मुक्की, गाली गलौज और राज कार्य में बाधा का आरोप लगाया है। इस मामले में अधिकांश आरोपी विधायक हैं ऐसे में इनकी जांच पड़ताल सीआईडी सीबी जयपुर को सौंपी जाएगी।

पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय राजेश सोनी ने बताया दूसरे मामले में हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। हैड कांस्टेबल शेर सिंह ने शिकायत दी थी कि वह अंबेडकर मूर्ति के नजदीक कलैक्ट्रेट चौराहे पर ड्यूटी कर रहा था। इस दौरान कांग्रेस नेता प्रदर्शन करते हुए आए और उसके साथ छीना झपटी व मारपीट की और उसको मुक्के मारे, जिसके चलते उसे काफी दर्द हो रहा है। इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है व शेर सिंह का मेडिकल करवाया जाएगा। यह जांच भी नयापुरा थाना पुलिस ही करेगी। इसमें प्रहलाद गुंजल, भानु प्रताप सिंह, रविंद्र त्यागी, नईमुद्दीन गुड्डू, मोइजुद्दीन गुड्डू, मंजूर तंवर, असरार अहमद, विजय प्रताप सिंह पानाहेड़ा, विशाल मेवाड़ा, पवन मीणा, शिव प्रकाश नागर, धनराज, जगरूप सिंह रंधावा, नरेश मीणा, बबलू कसाना और आबिद कागजी सहित अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं को आरोपी बनाया गया है।

राम मंदिर की छत टपक रही

अयोध्या, 25 जून। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद की पहली बारिश के बाद मंदिर की छत से पानी टपकने लगा है। नए रेलवे स्टेशन की दीवार ढह गई है और रामपथ पर कई जगह सड़क के धंस जाने की खबरें आ रही हैं। राम मंदिर की छत से पानी टपकने की जानकारी खुद मंदिर के महंत आचार्य सत्येंद्र दास ने दी है।

महंत आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि, छत में से ठीक उसी जगह पर पानी टपक रहा है जहां पुजारी रामलला की मूर्ति के सामने बैठते हैं और जहां लोग वी.आई.पी. दर्शन के लिए आते हैं।

- **राम मंदिर की छत से पानी टपकने की जानकारी खुद मंदिर के महंत, आचार्य सत्येंद्र दास ने दी है। उन्होंने बताया कि, छत में से ठीक उसी जगह पर पानी टपक रहा है जहां पुजारी रामलला की मूर्ति के सामने बैठते हैं।**

निर्माणाधीन मंदिर का हाल मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दास ने कहा, "यह बहुत आश्चर्य की बात है। पूरे देश से इतने सारे इंजीनियर यहां बैठे हुए हैं और राम मंदिर बना रहे हैं। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई. लेकिन किसी को यह ज्ञान नहीं हुआ कि जब बारिश होगी तो मंदिर की छत से पानी चुएगा"

राजस्थान में मानसून का प्रवेश, 27 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी

उदयपुर, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बारां, कोटा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ के रास्ते मानसून एंट्री हुई

उदयपुर, 25 जून (कासं)। मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में मानसून की एंट्री हो गई है। मानसून की एन्ट्री उदयपुर, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, बारां, कोटा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ के रास्ते हुई है। अब संभाग के जिलों में अच्छी बारिश की संभावना है। राजस्थान में सामान्य तौर पर 25 जून को मानसून का प्रवेश होता है।

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश समेत मध्य और उत्तर भारत के राज्यों में मानसून बंगाल की खाड़ी ब्रांच से आता है, लेकिन इस सीजन मानसून ने पूर्वोत्तर भारत और केरल में प्रवेश किया। मौसम केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले दो से तीन दिन में मानसून पूर्वी राजस्थान के कुछ और जिलों जैसे टोंक, भीलवाड़ा, राजसमंद, जयपुर और सवाई माधोपुर समेत अन्य जिलों में भी प्रवेश कर सकता है। मौसम विशेषज्ञों ने इस वर्ष अच्छी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 27 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। मानसून के प्रवेश के साथ ही बारिश का जो दौर चलना चाहिए था उसकी अभी कमी महसूस की जा रही है। झीलों की नगरी उदयपुर में सोमवार रात को अच्छी बारिश हुई लेकिन यह सिलसिला लंबा नहीं चला। मंगलवार को पूरा दिन भारी उमस के बीच बीता व बारिश का इंतजार होता रहा। मौसम में भारी उमस के मद्देननजर रात को बारिश होने की संभावना जताई गई है।

- **मौसम केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अगले दो से तीन दिन में मानसून पूर्वी राजस्थान के कुछ जिलों में भी प्रवेश कर सकता है।**

इस बार मानसून का प्रवेश राजस्थान में मेवाड़ हाड़ोती के रास्ते हुआ है। मानसून ने बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर और झालावाड़ के रास्ते एंट्री की है। मौसम विभाग के मानसून की एंट्री होने की घोषणा के साथ ही अब अच्छी बारिश की संभावना है। उदयपुर शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं और बीच-बीच में धूप निकल रही है। मौसम ठंडा बना हुआ है।

उदयपुर के मौसम वैज्ञानिक प्रो. एन.एस. राठौड़ ने बताया कि, दक्षिणी राजस्थान में मानसून की एंट्री हो चुकी है। इस क्षेत्र में जो खंडित वर्षा हुई है वह मानसून का ही हिस्सा है। इससे पहले रविवार सोमवार तड़के से शुरू हुई रिमझिम बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई है जिससे गर्मी से सुबह-सुबह राहत महसूस हुई लेकिन दोपहर में गर्मी का असर बरकरार है।

सिंचाई विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में उदयपुर जिले में सर्वाधिक बारिश बावलवाड़ा और कोटड़ा के सेंई डेम पर एक इंच दर्ज की गई। इसके अलावा जिले के वल्लभनगर में 23 मिलीमीटर, उदयसागर पर 22, झाड़ोल और मावली के बागोलिया बांध पर 15 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने आज उदयपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा जिलों में आंधी चलने और बारिश होने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। केंद्र ने 26 जून को भी इन जिलों में आंधी चलने और बारिश होने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

प्रधानमंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यात्रा की योजना वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए बनाई जा रही है। पुतिन ने इस साल मई में लगातार पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी, जबकि नरेंद्र मोदी ने भी 9 जून को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। अगर यह यात्रा होती है, तो यह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की शुरुआत के बाद से पीएम मोदी की पहली रूस यात्रा होगी।

आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी की खबर के मुताबिक, क्रेमलिन के अधिकारी यूरी उशाकोव ने कहा मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हम भारतीय प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारियां कर रहे हैं। अगर मोदी रूस जाते हैं तो वह और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तीन वर्षों के अंतराल के बाद भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन करेंगे। भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच यह वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में उच्च स्तरीय संस्थागत संवाद तंत्र है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभायेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 जून। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ही होंगे, इस बात पर कांग्रेस ने मंगलवार को मुहर लगा दी। कांग्रेस पार्टी की ओर से यह घोषणा महा सचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को की। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी का नाम प्रोटैम स्पीकर भर्तृहरि महताब को भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया।

इससे पहले मंगलवार को भी लोकसभा में सदन की कार्यवाही काफी हंगामेदार रही। सोमवार की तरह मंगलवार को भी प्रोटेम स्पीकर महताब ने नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई। हालांकि आज 7 सांसद शपथ नहीं ले पाए। इस वजह से वे बुधवार को होने वाले लोकसभा स्पीकर के चुनाव में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

- **कांग्रेस पार्टी की ओर से यह घोषणा महा सचिव के.सी. वेणुगोपाल ने मंगलवार को की, उन्होंने बताया कि राहुल गांधी का नाम प्रोटैम स्पीकर महताब को भेज दिया गया है।**
- **मंगलवार को इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मीटिंग की। इस मीटिंग में स्पीकर पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए रणनीति के अलावा नेता विपक्ष के नाम पर भी मुहर लगाई गई।**

मंगलवार को सांसदों की शपथग्रहण के दौरान नारेबाजी का मुद्दा भी काफी गर्माया। असदुद्दीन ओवैसी का जय फिलिस्तीन नारे को लेकर भाजपा सांसदों ने आपत्ति जताई तो प्रोटेम स्पीकर ने उस शब्द को कार्यवाही से हटा दिया। इसके अलावा भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने जय मोदी और जय हेगडेवार के नारे लगाए।

मंगलवार को इंडिया गठबंधन के नेताओं ने कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मीटिंग की। इस मीटिंग में स्पीकर पद के लिए होने वाले चुनाव के लिए रणनीति के अलावा नेता विपक्ष के नाम पर भी मुहर लगाई गई।

विकीलीक्स के संस्थापक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सजा सुनाई गई होती। इस पर विश्व के तमाम मानव स्वतंत्रता संगठनों ने अमेरिका के खिलाफ भारी विरोध शुरु कर दिया था।

असांज के खिलाफ उठाए गए कदम को उदार पश्चिमी लोकतंत्र की कथित स्वतंत्र दुनिया में एक सशक्त सरकार द्वारा प्रैस की स्वतंत्रता का गला घोंटने की एक कोशिश के रुप में देखा गया।

केस की मुख्य बात की जाए तो लंदन स्थित इक्वेडोर दूतावास में शरण लेकर कोर्ट से अनुरोध किया कि उन्हें अमेरिकी सरकार को प्रत्यर्पित करने से वहां मानवाधिकारों का उल्लंघन कर उनके सात अनुचित व्यवहार किया जाएगा और आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। असांज ने यूरोपीय मानवाधिकार कानूनों के अन्तर्गत भी अपील की थी।

असांज ने अमेरिकी सरकार के साथ एक अपराध स्वीकारोक्ति समझौता किया, जिसके अमेरिका उन्हें उतने ही साल की जेल की सजा देगा, जितने साल की सजा वह इक्वेडोर दूतावास सहित लंदन की जेल में काट चुके हैं। समझौते के तहत इस सौदेबाजी को एक कानूनी रुप दिए जाने से पूर्व असांज अमेरिका की एक कोर्ट में उपस्थित होंगे।

हालांकि, असांज किसी भी तरह का कोई जोखिम उठाना नहीं चाहते, इसलिए वह नॉर्थ अमेरिका की लोअर स्टेट्स सहित अमेरिका में कहीं भी उपस्थित नहीं होना चाहते। अतः उन्होंने अमेरिका से 6 हजार कि.मी. दूर स्थित प्रशांत महासागर के द्वीप हवाई के एक यू.एस. फैडरल कोर्ट में उपस्थित होने का विकल्प चुना है।

अदालती कार्रवाई, सजा और सजा में छूट जैसी सभी प्रक्रियाओं को कानूनी रुप से अंतिम रुप दिए जाने के बाद असांज अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए स्वतंत्र होंगे और ऑस्ट्रेलिया की सरकार भी असांज के लिए एक तय समझौते की दिशा में सक्रिय रहती आई है।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने आज देश की संसद के समक्ष घोषणा की कि असांज हवाई जहाज में बैठकर प्रशांत महासागर स्थित अमेरिकी द्वीप हवाई जाएंगे और उनके साथ यू.के. में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त भी होंगे। उनकी हवाई यात्रा में उच्चायुक्त को शायद यह सुनिश्चित करने के लिए साथ में बिठाया जा रहा है कि अमेरिका कहीं समझौते का उल्लंघन ना कर दे।

यह केस एक अधिनायकवादी राष्ट्र के विरुद्ध प्रैस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ संघर्ष का एक प्रतीक बन गया है।

केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई से पहले उन्हें गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में उनके खिलाफ मनी लॉण्डरिंग मामले में जमानत याचिका पर सुनवाई तय है।

बुधवार शाम को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में ही सी.बी.आई. ने तिहाड़ जेल में सी.एम. केजरीवाल से मंगलवार को पूछताछ की थी। इसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सी.बी.आई. ने केजरीवाल का बयान भी रिकॉर्ड कर लिया है। उन्हें कल बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा और सी.बी.आई. उनकी कस्टडी मांगेगी।

मु.मंत्री भजनलाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मॉनिटरिंग मैकेनिज़्म सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग राज्यमंत्री, के. के. विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आंध्र प्रदेश ने अभी तक माफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जगनमोहन की बहन शर्मीला कांग्रेस को बचाने में रही है ज्यादा कुछ नहीं कर पाई, वो खुद कडप्पा सीट पर तीसरे स्थान पर रही हैं। असल में शर्मीला के सामने एक बड़ी चुनौती है क्योंकि आंध्र प्रदेश की इस दुर्दशा के लिए जनता कांग्रेस को जिम्मेदार मानती है जिसकी अपनी कोई राजधानी नहीं है और अर्थव्यवस्था अव्यवस्थित है। वास्तव में, उन्हें पार्टी की अपेक्षित परन्तु निराशाजनक हार की जिम्मेदारी लेनी ही होगी। जब इस पराजय का दोष उनके मत्थे मढा गया तो शर्मीला अपने गुस्से का इज़हार स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं पर किया और प्रदेश में तत्काल पार्टी की सभी समितियों को भंग कर दिया और उन्होंने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष को प्रदेश मुख्यालय से बाहर कर दिया।

पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता इससे नाखुश है।

पी.सी.सी. के दो कार्यकारी अध्यक्ष सुनकारा पद्मश्री एवं पी. राकेश रेड्डी दोनों ने दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के हाईकमान से औपचारिक रूप से शिकायत की थी कि प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन के लिए हर तरह से शर्मीला जिम्मेदार है और उस पर ही गलत तरीके से चुनावी टिकट वितरण का आरोप भी लगाया था। जब शर्मीला को इनके द्वारा लिखे गए पत्रों का पता चला तो कहा जाता है कि शर्मीला ने इन दोनों पदाधिकारियों को विजयवाड़ा स्थित पार्टी कार्यालय से बाहर कर दिया।

पद्मश्री ने कहा कि "ए.आई.सी.सी. के इतिहास में न तो पार्टी और न ही उसके नेतृत्व ने कभी ऐसा नहीं देखा कि पी.सी.सी. अध्यक्ष ने कार्यकारी अध्यक्षों के लिए कार्यालय के द्वार बंद कर ताले लगा दिए हो और जब पार्टी की पराजय का कारण पूछा गया तो सभी समितियों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया।"

कांग्रेस पार्टी को तेलंगाना की तरह आंध्र प्रदेश में भी पार्टी के पुर्नजीवित होने की उम्मीद थी, और जिस समय शर्मीला ने पार्टी में प्रवेश किया था तो लगा था कि वो कुछ चमत्कार करेंगी। उन्होंने अपने पिता की विरासत का दावा किया था। दुःखी कार्यकारी अध्यक्ष पद्मश्री ने अपने पत्र में आरोप लगाया था कि जो शर्मीला की टीम थी उसे तेलंगाना से बुलाया गया था जिसे आंध्र प्रदेश के बारे में राजनीतिक समझ नहीं थी और वो ही वहाँ टिकट वितरण के लिए जवाबदेह हैं।

यह बिल्कुल साफ है कि आंध्र प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में यदि कांग्रेस को अपनी सार्थक प्रासंगिकता बनानी है तो उसे वहाँ बहुत ज्यादा काम करना पड़ेगा।

परन्तु अपने नुकसान के बावजूद, वाय.एस.आर.सी.पी. ने यह दिखा दिया है कि अभी भी एक जबरदस्त ताकत है क्योंकि अभी भी उनका वोट शेयर सम्मानजनक स्तर 40 प्रतिशत पर कायम है।

इण्डिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साफ होने के बाद पार्टी अध्यक्ष जगनमोहन ने भाजपा से निराश होने के संकेत दिए हैं। इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों पर चली बहस के दौरान जगन ने भी पेपर बैलट से वोटिंग कराने की मांग का आह्वान किया था। वाय.एस.आर. कांग्रेस अध्यक्ष की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण प्रतीत होती है कि वे इस कारण से इंडिया गठबंधन के नेताओं से मिल सकते हैं, जिन्होंने यह संभावनाएं व्यक्त की थी कि ई.वी.एम. मशीनों से छेड़-छाड़ की जा सकती है। आंध्र में लोकसभा की 25 सीटों में से एन.डी.ए. के गठबंधन ने 21 सीटें जीतीं हैं। इस प्रकार वाय.एस.आर.सी.पी. की सीटें सिमटकर चाररह गई हैं। राज्यसभा में जबकि वाय.एस.आर.सी.पी. के 11 सदस्य हैं। इंडिया गठबंधन के पास सरकार बनाने के लिए सीटों का संख्याबल नहीं हैं, परन्तु इस गठबंधन को उम्मीद है आने वाले महीनों में न्यूट्रल पार्टियाँ जैसे कि वाय.एस.आर.सी.पी. एवं बी.जे. डी. का इनके खेमे में आने से इनकी ताकत बढ़ेंगी।

अमित शाह, नड्डा, रिजिजू के साथ ओम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्री के पास इस तरह की लेन-देन संबंधी बातचीत के अधिकार नहीं थे।

तथापि, सरकार ने अपने रूख को यह कहकर न्यायोचित ठहराने का प्रयास किया कि स्पीकर पद के प्रत्याशी को समर्थन देने की एवज में विपक्ष अपनी शर्तें लागू कर रहा था, जो लोकतांत्रिक परम्पराओं के विरूद्ध है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इससे पहले कहा कि सरकार यदि डैपुटी स्पीकर का पद विपक्ष को दे दे तो विपक्ष स्पीकर पद के सरकार के प्रत्याशी का समर्थन करेगा। जब यह स्पष्ट हो गया कि ओम बिड़ला इस बार भी लोकसभा स्पीकर बनाए जा सकते हैं तो शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे, यू.बी.टी.) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बिड़ला के स्पीकर कार्यकाल में ही इतिहास में पहली बार लोकसभा से 130 से अधिक सांसद निलम्बित किए गए और एक कमेटी, जिसका झुकाव भाजपा की ओर था, की रिपोर्ट के आधार पर ही महुआ मोइत्रा को डिस्क्वालिफाई किया गया और सुप्रीम कोर्ट के केस की अनदेखी कर बागियों के कृत्यों को न्यायोचित ठहराते हुए शिव सेना संसदीय पार्टी ऑफिस को शिंदे सेना को आवंटित करने का निर्णय लिया गया था।

उन्होंने कहा कि "यदि तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) और जद (यू) सरकार के इस निर्णय का समर्थन करते हैं तो उन्हें भाजपा द्वारा अपनी-अपनी पार्टियों में विभाजन की कोशिश के लिए तैयार रहना चाहिए और साथ ही विभाजन की असंवैधानिकता को न्यायोचित ठहराने के लिए भी।

देश के संवैधानिक इतिहास में यह पहला मौका है जबकि विपक्ष ने इस अहम संवैधानिक पद के लिए बराबर की टक्कर देने का निर्णय लिया है, यद्यपि ऐसे दो अवसर रहे हैं, जब इस पद के लिए प्रतीकात्मक संघर्ष हुआ था।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इससे पहले कहा था कि सरकार के लोकसभा स्पीकर पद के अभ्यर्थी को विपक्ष का समर्थन सशर्त है। सरकार यदि डैपुटी स्पीकर का पद विपक्ष को देने के लिए राजी हो जाती है तो विपक्ष भी उसके स्पीकर पद के व्यक्ति को अपना समर्थन दे देगा।

कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल और द्रमुक के टी.आर. बालू डैपुटी स्पीकर के मुद्दे को लेकर केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह के पास चर्चा करने गए थे किन्तु वापस लौट आए। उन्होंने बताया कि सरकार इस मुद्दे पर कोई प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं करना चाहती।

सूत्रों ने बताया कि स्पीकर पद के लिए बिड़ला को चुनाव मैदान में उतारने के निर्णय से विपक्ष के पास यह स्पष्ट संकेत गया कि सरकार आमना-सामना करने के लिए तैयार है तथा कोई आम सहमति बनाने के मूड में नहीं है। बिड़ला 17वीं लोकसभा में भी स्पीकर थे और उनका कार्यकाल तब पूर्णतया विवादित हो गया, जब उन्होंने संख्याबल से कमज़ोर विपक्ष को कथित रूप से धमकाने और दबाने की कोशिश की। विपक्ष उनके प्रति आशंकित है।

एग्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओ.एम.आर. शीट्स की स्क्रीनिंग की बारी आई तो उसकी सील खोली गई तो पता लगा कि 333 अभ्यार्थियों की उपस्थिति है, मगर ओ.एम.आर. शीट केवल 332 ही हैं। एक अभ्यर्थी की ओ.एम.आर. शीट नहीं मिली। गफलत होने की आशंका में जेट समन्वयक मनमोहन सुंदरिया की तरफ से मंडोर थाने में ओ.एम.आर. शीट गायब होने का केस दर्ज कराया गया है। कृषि विश्वविद्यालय के स्ट्राँग रूम से ओ.एम.आर. सीट गायब हो गई। परीक्षा प्रवेश परीक्षा जैट प्री-पीजी, पीएचडी प्रवेश के अभ्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी।

राजस्थानः उपचुनावों में कांग्रेस का खेल बिगाडेंगी मायावती

नई दिल्ली/ जयपुर, 25 जून। राजस्थान की पांच विधानसभा उप चुनाव में बसपा अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी।

राजस्थान में बसपा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने कहा कि, पार्टी नगर निकाय चुनाव भी लड़ेगी। जिससे ग्रासरूट पर कार्यकर्ता तैयाह हो सके। भगवान सिंह बाबा ने कहा कि मायावती की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।

राजस्थान में 5 सीटों पर विधायक अब सांसद बन चुके हैं, जिसके बाद 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान होने वाला है। उपचुनाव के लिए अलग-अलग पार्टियां तैयारियों में जुट चुकी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अपनी कमर कस ली है। बता दें 5 विधानसभा सीटों में से तीन सीटों पर कांग्रेस के विधायक सांसद पहुंचे हैं। ऐसे में कांग्रेस अपनी जीती हुई सीट को हाथ से निकलने नहीं देगी।

'हार सुनिश्चित देखकर दलित कार्ड खेलती है कांग्रेस और विपक्ष'

चिराग पासवान ने कहा कि, लोकसभा अध्यक्ष पद के चुनाव में सबको पता है कि, विपक्ष की हार तय है फिर भी दलित हितैषी चोला ओढ़कर उम्मीदवार खड़ा कर दिया है

नई दिल्ली, 25 जून। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने देश की सबसे पुरानी पार्टी पर दलितों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को पता है कि उसके पास संख्याबल नहीं है फिर भी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना उम्मीदवार खड़ा किया। बता दें कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) केंद्र के सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिराग पासवान को अपने मंत्रिमंडल में मंत्री बनाया है।

चिराग ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए एक्स पर लिखा, "जब भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष को पता चलता है कि उनकी हार सुनिश्चित है, तो वे दलित कार्ड चल देते हैं। 2002 में जब उन्हें पता था कि वे उपराष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं, तो उन्होंने सुशील कुमार शिंदे जी को उम्मीदवार बनाया था। 2017 में जब वे जानते थे कि वे राष्ट्रपति पद का चुनाव हार रहे हैं तो उन्होंने श्रीमती मीरा कुमार जी को उम्मीदवार बनाया। अब जब उनके पास स्पष्ट रूप से लोक सभा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए संख्याबल नहीं है तो वे कांग्रेस के दलित के नेता के. सुरेश जी को नामांकित कर रहे हैं। विपक्ष के लिए क्या दलित नेता केवल और केवल प्रतीकात्मक उम्मीदवार हैं?"

- **चिराग पासवान ने कहा कि, कांग्रेस ने कई मौकों पर ऐसा किया है, यह ऐसी पार्टी है जो अपने काम निकलवाने के लिए दलितों का सहारा लेती है। इतिहास में ऐसे कई मौके आये हैं, जब यह बात तय होती है कि, विपक्ष का उम्मीदवार किसी भी सूरत में जीत नहीं सकता तो वहां कांग्रेस पार्टी दलित उम्मीदवार का इस्तेमाल करती है।**

बता दें कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए सरकार और विपक्ष के बीच मंगलवार को आम-सहमति नहीं बन सकी और अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार तथा भाजपा सांसद ओम बिरला का मुकाबला कांग्रेस के कोडिकुन्नील सुरेश के साथ होगा। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए मतदान बुधवार को होगा। बिरला और सुरेश ने मंगलवार को क्रमशः राजग और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के उम्मीदवारों के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

पिछली लोकसभा में भी अध्यक्ष रह चुके बिरला को राजग की तरफ से सर्वसम्मति से उम्मीदवार बनाया गया है। यदि वह बुधवार को हुए मतदान में जीत जाते हैं तो 25 साल में इस पद पर दोबारा आसीन होने वाले पहले व्यक्ति होंगे। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि बिरला का नाम राजग के सभी दलों ने सर्वसम्मति से तय किया और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह भी समर्थन हासिल करने के लिए विपक्ष के पास पहुंचे। बिरला ने नामांकन दाखिल करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वह राजस्थान के कोटा से लगातार तीसरी बार भाजपा के टिकट पर सदस्य निर्वाचित हुए हैं।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए ललन सिंह ने कहा कि वे लोकसभा उपाध्यक्ष के पद पर तुरंत फैसला चाहते हैं, जबकि राजनाथ सिंह ने अनुरोध किया था कि चयन का समय आने पर सभी को एक साथ बैठना चाहिए और इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार के नाम पर सर्व सम्मति होती तो बेहतर होता। उन्होंने इस संबंध में शर्तें रखने के लिए विपक्ष की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को शर्तों पर नहीं चलाया जा सकता।

'रिटायर्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से आई.एफ.एस. (इण्डियन फॉरेस्ट सर्विस) पद से रिटायर हुआ। उसे एक साल की सेवा अवधि, 30 जून 17 से 30 जून 18 की एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ नहीं दिया गया। जबकि भारतीय वन सेवा पे नियम-2016, के नियम 8 के तहत वह वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ प्राप्त करने का अधिकारी है। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव, प्रमुख कार्मिक सचिव व केन्द्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय के सचिव को भी प्रतिवेदन देकर उसे एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ देने का आग्रह किया था। इसके बावजूद उसके प्रतिवेदन को अभी तक तय नहीं किया है और यह अब तक लंबित ही चल रहा है। इसलिए उसका प्रतिवेदन तय कराया जाए और उसे वेतन वृद्धि सहित अन्य सेवा परिलाभ दिलवाए जाएं।

मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने केन्द्र व राज्य सरकार को उसे पूर्व के निर्णयों के पालन में एक वार्षिक वेतन वृद्धि का मुद्दा तय करने को कहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908